राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 15.00 संख्या 37
करोड़पति
www.akfunworld.co.nr
फाइटर टोड्स
अप्पूघर
स्टाल नंबर 13
APPU CORNER
GIANT Slide
FUN
by अनुपम

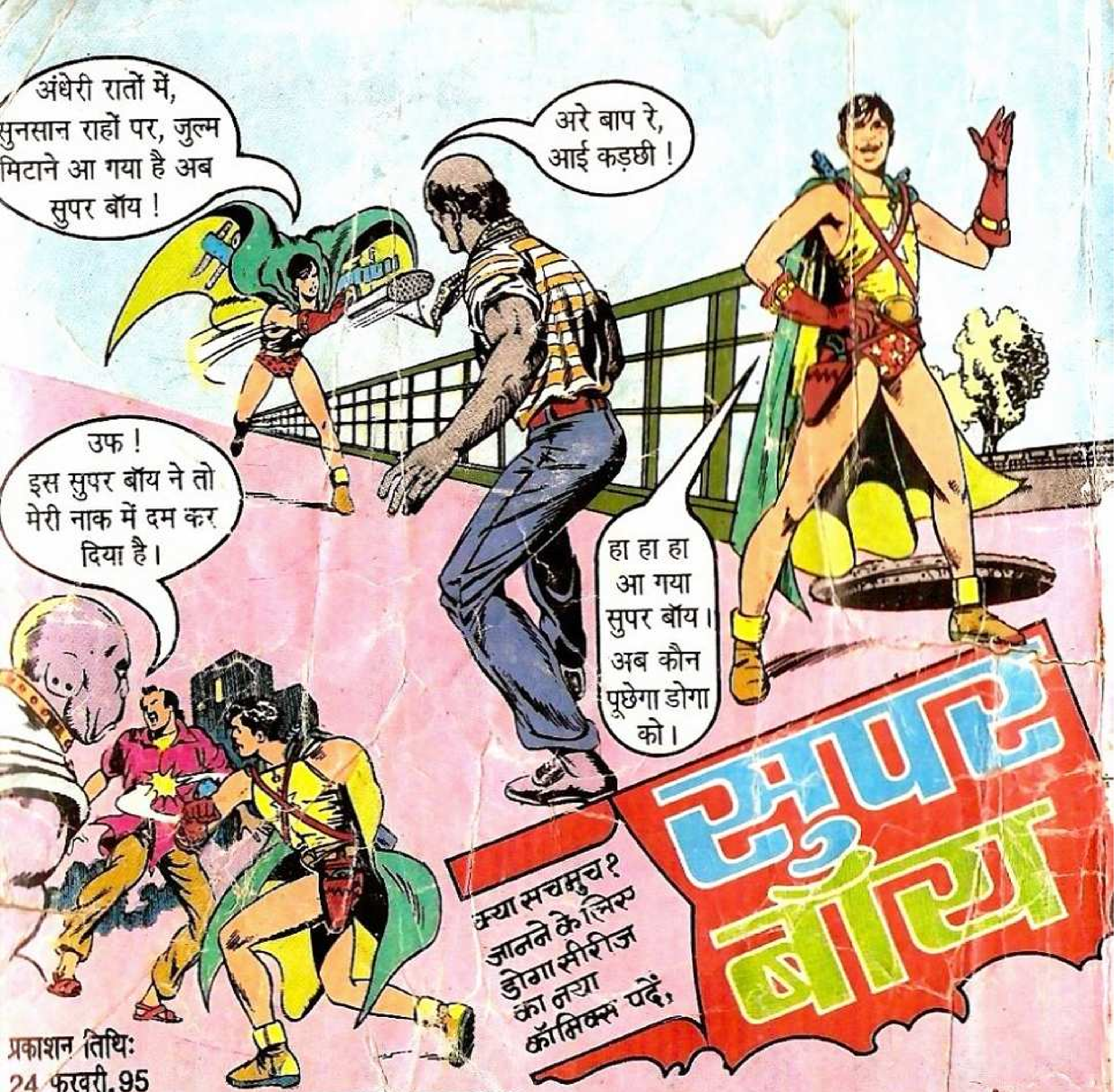

प्रकाशन तिथि:
24 फरवरी, 95

इसी सैट के कॉमिक्स

- करोड़पति (फाइटर टोड्स का विशेषांक)
  इस विशेषांक के साथ सुपर स्टीकर मुफ्त
- उड़ती मौत (सुपर कमांडो ध्रुव)
- लेजी (भेड़िया)
- डॉक्टर नो (परमाणु)
- बांकेलाल और कोढ़ी राजा
- अमीबा (थ्रिल हॉरर सस्पैंस)

आगामी सैट के कॉमिक्स

- वुल्फा (भेड़िया का विशेषांक)
- चंडकाल की वापसी (सुपर कमांडो ध्रुव)
- सुपर बॉय (डोगा)
- कलयुग (अश्वराज)
- दंक (गोजो)
- कब्जा (थ्रिल हॉरर सस्पैंस)

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन प्रकाशक : राजा पॉकेट बुक्स ...1, बुराड़ी दिल्ली-9 दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज 313 दरीबा कलां, दिल्ली

करोड़पति

लेखक : अनुपम सिन्हा

सम्पादक : मनीष गुप्ता

चित्रांकन : अनुपम सिन्हा : विनोद कुमार

इस बार तो, प्यारे पाठको फाइटर टोड्स ने एक ऐसा करोड़ों बमों का धमाका कर दिया, जो हमारे नन्हें - मुन्ने ६० पेजों में आना असंभव हो गया! धमाका जोरदार है, लेकिन कहीं यह धमाका इस कॉमिक के बाहर न निकल जाए, इसीलिए हमने इसमें थोड़ी काट-छांट कर दी! इसीलिए इसकी शुरुआत हम आपको बोलकर सुना देते हैं! तो सुनो ...

सुबह-सवेरे, एक दिन कंप्यूटर्र को गटर की नाली में बहता अखबार का एक टुकड़ा मिला! जिसमें अप्पू घर के बारे में बहुत कुछ लिखा था। बस फिर क्या था, फाइटर टोड्स निकल पड़े अप्पू घर की रंगीनियों का मजा लेने और जा टकराए एक टैक्सी ड्राइवर से —

© Raja Pocket Books
www.rkoscans.co.nr

हे भगवान! किन पागलों से पाला पड़ गया गोली चूस के!
क्या कहा? हम पागल हैं।
अरे, अरे, कंप्यूटर! तू नाराज क्यों हो गया? 'पागल' क्या गाली होती है?
होती है! बहुत छोटी सी गाली! जिनके दिमाग नहीं होता उनको पागल कहते हैं!
अरे! हमारे पास तो बहुत दिमाग है! फिर तूने हमें पागल क्यों कहा?
अभी देता हूं तेरे को एक लाफा!
न... नहीं भाई, मेरी क्या मजाल जो आपको पागल कहूं मैं तो... मैं तो...
जाने दे कटर!
अगर इसे कुछ हो गया तो हमें अप्पूघर कौन पहुंचाएगा!
उधर शहर के ही एक भाग में खच्चर नामक अपराधी के अड्डे में—
अबे, तू आदमी है या दारू की भट्ठी!
सुबह-सुबह ही चालू हो गया!
तुम अच्छी तरह जानते हो खच्चर कि मैं एक डरपोक आदमी हूं... हिच्च!
परन्तु दारू अन्दर जाते ही हिच्च... सारा डर बाहर निकल जाता है हिच्च!
ठीक है... ठीक है! अब जरा ध्यान से सुन! ये कार्ड लेकर शाम को कबाड़ी के अड्डे पर जाना है, वो एक करोड़ रुपया देगा इस कार्ड को देखकर!
समझ गया खच्चर!
हिच्च!
विजिटिंग कार्ड लेकर केकड़ा चल पड़ा—
और रास्ते में—
शाम होने में अभी तो बहुत समय बाकी है। हिच्च!
गेट नं. 2
क्यों न तब तक अप्पूघर में कुछ मौज ली जाए!
कुछ देर में टोड्स भी अप्पूघर पहुंच गए—
ऐ, भाई... कहां चले गोली चूस के!

www.rkoscans.co.nr

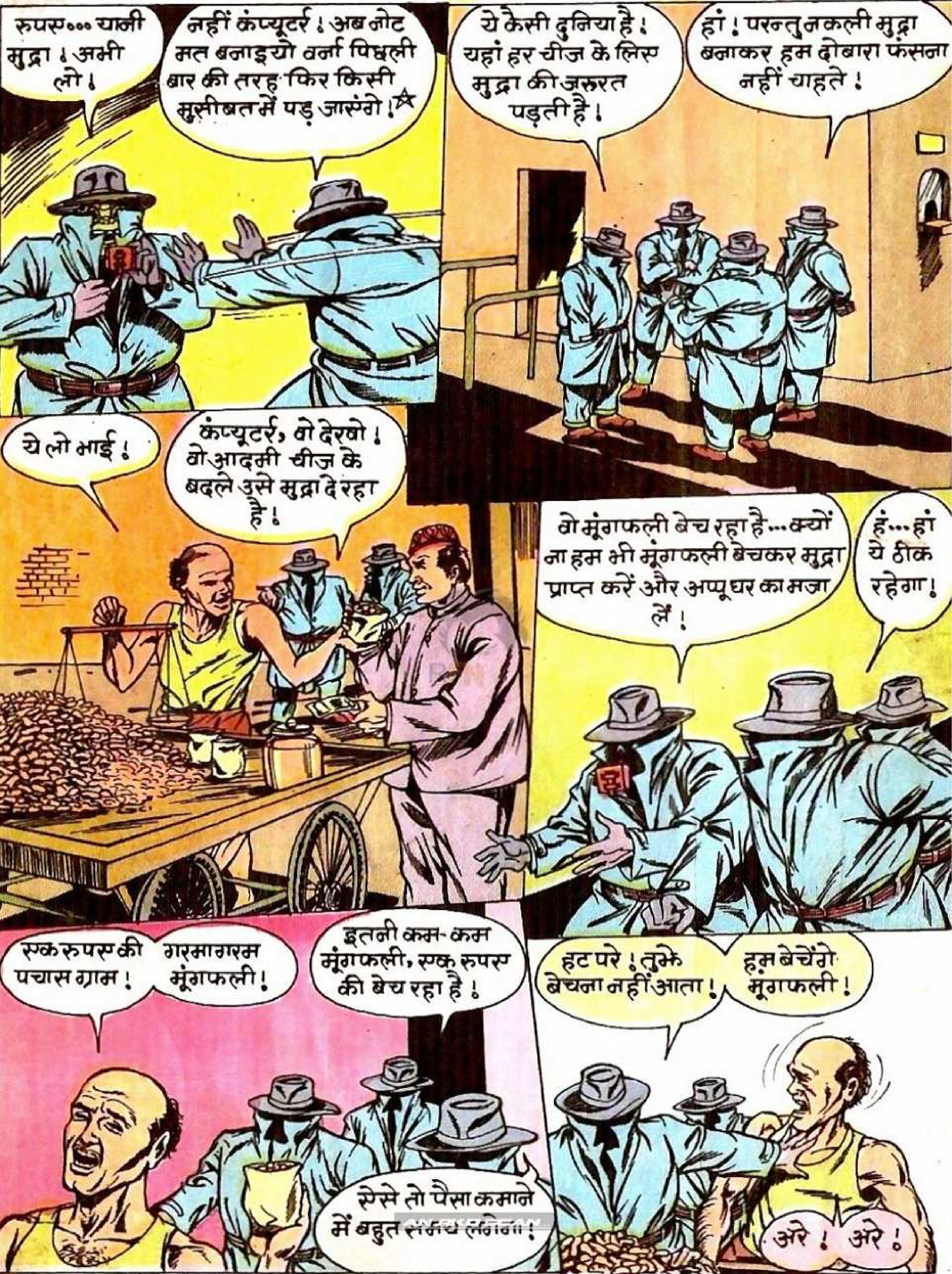
रुपए... यानी मुद्रा। अभी लो।
नहीं कंप्यूटर! अब नोट मत बनाइयो वर्ना पिछली बार की तरह फिर किसी मुसीबत में पड़ जाएंगे!
ये कैसी दुनिया है! यहां हर चीज के लिए मुद्रा की जरूरत पड़ती है।
हां! परन्तु नकली मुद्रा बनाकर हम दोबारा फंसना नहीं चाहते!
ये लो भाई!
कंप्यूटर, वो देखो! वो आदमी चीज के बदले उसे मुद्रा दे रहा है!
वो मूंगफली बेच रहा है... क्यों ना हम भी मूंगफली बेचकर मुद्रा प्राप्त करें और अप्पू घर का मजा लें!
हं... हां ये ठीक रहेगा!
एक रुपए की पचास ग्राम!
गरमागरम मूंगफली!
इतनी कम-कम मूंगफली, एक रुपए की बेच रहा है!
ऐसे तो पैसा कमाने में बहुत समय लगेगा!
हट परे! तुझे बेचना नहीं आता!
हम बेचेंगे मूंगफली!
अरे! अरे!

www.rkoscans.co.nr

अरे वाह मास्टर... यहां सचमुच रौनक है!
कंप्यूटराइज्ड फोटो
अब मैं तो यहां से वापस जाने वाला नहीं। यहीं कोई अच्छा सा गटर देखकर बस जाऊंगा!
मैं तो चला उस झूले पर झूलने!
मगर—
क्या हुआ, कटर? थोबड़े पर बारह बजाए वापस क्यों आ गया?
यहां भी वही टिकट का चक्कर... उसके लिए मुद्रा चाहिए!
अगर मुझे वो आदमी मिल जाए जिसने मुद्रा का चलन शुरू किया था तो मैं उसका मुंह काला कर के कछुए पर बिठाकर शहर के सारे गटरों का चक्कर लगवाऊं!
अरे... मुझे याद आया, पिछली बार दादू को पकड़वाने के लिए दस हजार का इनाम मिला था, जिसमें से नौ हजार अभी हमारे गटर में रखे हैं!
जो बोले सो कुण्डा खोले। तू ही जा कंप्यूटर और रुपए लेकर आ!
मैं नहीं जाऊंगा ये स्वर्ग छोड़कर!
तो फिर तू स्वर्गवासी हो जाएगा शूटर!
कंप्यूटर, कोई और आसान-सा रास्ता बता मुद्रा इकट्ठी करने का!
भीख! मुद्रा कमाने का सबसे आसान तरीका है भीख मांगना!
भीख
चलो चलकर भीख मांगते हैं!
भीख मांगने का तरीका... कंप्यूटर

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

AN RKO SCAN
www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

AN RKO SCAN
www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

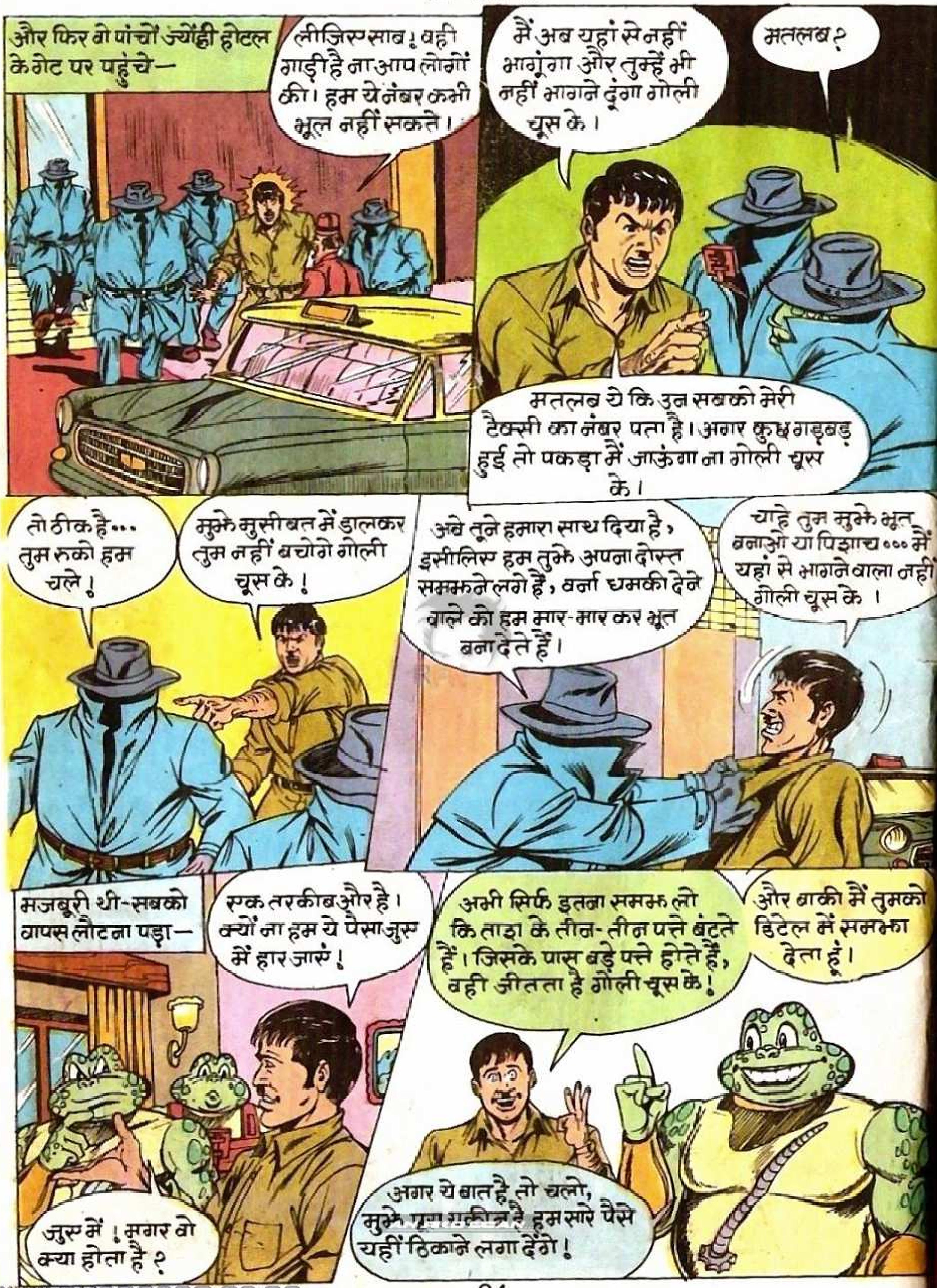

www.rkoscans.co.nr

ाने में जाने से पहले मास्टर ताश
न पत्ते अपनी जेब के हवाले कर
था—
अरे, मोटा जुआ खेलना है तो हमसे खेलो!
और कुछ ही क्षणों में पत्ते खान और मास्टर आमने-सामने थे—
ये मेरी चाल एक लाख की!
खान... वो देख
आसामी है। आज दिखा दे
हाथ की सफाई... और साबित
ेरा नाम पत्ते खान यूंही नहीं है!
चिन्ता मत करो खच्चर! इन्हें कंगाल करके ही भेजूंगा!
मुझे कितने की चाल चलनी है फट्टे खान?
खान नहीं
खान!
हां यार, वही सही। अब जल्दी बता कितना चलूं?
अयं... ये-ये एक लाख की चाल थी?
क्यों? कम थे क्या? और ले?
ाख।
हूं... ये लो!
माई गॉड! ये तो कोई पागल लगता है... वर्ना एक लाख के बदले चार लाख न डालता।
त्ते खान एक बार और
े मुद्रा कम है, ताकि मैं
ड्डियां और डाल सकूं।
पत्ते खान... लगता है उसके पास तुमसे ज्यादा अच्छे पत्ते हैं।
जब पत्ते खान पत्ते बांटता है तो वो अपनी मर्जी के पत्ते लेता है। तुम घबराओ मत खच्चर मेरे पास तीन इक्के हैं।
मास्टर भी बड़ी सफाई से अपने पत्ते बदल चुका था जेब में पहले से रखे सबसे छोटे पत्तों से—

उधर शूटर, कटर और कंप्यूटर इधर-उधर घूमते हुए मौज कर रहे थे—
कंप्यूटर का तो बुरा हाल था—
उफ्फ! ये कैसी गंध है जो दिमाग में चढ़ती जा रही है?
चढ़ गई, चढ़ गई, चढ़ गई हिच्च अंगूर की बेटी चढ़ गई हिच्च!
ये मेरा दिमाग क्यों चकरा रहा है?
कंप्यूटर को तो सूंघ-सूंघकर ही नशा चढ़ गया था—
और उधर पत्तों का शो होते ही हंगामा खड़ा हो गया—
ऐसा कैसे हो स
तीन इक्के तो मे
हैं फिर तेरे पास त
इक्के कहां से अ
ओह! इसके पत्तों पर भी सिर्फ एक-एक ही निशान हैं। यानी इसके पत्ते भी सबसे छोटे हैं। लगता है ये भी हमारी तरह मुद्रा से भरे सूटकेसों से छुटकारा पाना चाहता है...
इस
छोटे
लेकर
आया
देख बे टूटे खां... ये तीन अक्के मेरे हैं... तेरे झूठे हैं... तू बेईमानी कर... आह!
अबे, तेरे पत्ते दूसरी गड्डी के हैं! इस पर दूसरा डिजाइन बना है। बेईमान तो तू है!
मास्टर पर हाथ उठाता है! अब मैं देख तेरी क्या गत बनाता हूं?
ये तूने क्या कि
हारने के लिए जि
सबसे छोटे पत्ते सम
वो फ्लैश के सब
पत्ते होते
अब चुपचा
हार मान ले
देखो पत्तेखान... गलती हमारी ही थी। तुम बाजी जीत गए। अब सारा पैसा तुम्हारा है।
अच्छा हुआ ये पैसे छोड़
तुमने अपनी जान बचा ली वर्ना
की ये फौज तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े
AN RKC SCAN

क कटर और शूटर भी मस्ती र, जुआरवाने में आ पहुंचे थे-
क्या हो गया, मास्टर?
शि... शिष... मास्टर क्या बोल गया, शूटर?
रहने दे! क्यों दिमाग लगाता है? कंप्यूटर के साथ चिपक-चिपक कर दो चार शब्द सीख गया होगा!
।, तो दो और लेकर है!
अब पीटने में मजा आएगा!
कुछ नहीं! जरा इनको शिष्टाचार का पाठ पढ़ाने जा रहा था!
हां, तो पत्ते खान, मुद्रा तो हम वैसे भी देने आए थे। मगर उसके बदले हमें कुछ चाहिए नहीं था...
लिए घूंसा वापस र रहा हूं।
आई!
गुंडे टोड की तरफ लपके-
और टोप हवा में उड़ गए-
धाड़
भड़ाक
सने गत्तेखान...अर्रर... बाब पर हाथ उठाया... की टांग तोड़ दो... नहीं- ं, हाथ तोड़ दो।
ऽऽ! खच्चर! ये तो भूत हैं!
भूत नहीं... मे... मेढक हैं।
अबे, 'जी हॉरर शो' हंस हंस कर देखता है!
ये भी वैसा ही मेकअप किए हुए हैं। हमें डराने के लिए। डर मत, पीट!

एक्चर से 'तर्क ज्ञान' मिलते ही गुंडों का डर दूर हो गया।
आऊं! ये तो फिर वही पुरानी सिचुएशन आ गई। हम फिर से पिट रहे हैं, मास्टर!
ये कंप्यूटर का बच्चा कहां मर गया! उसके बगैर 'टोड्स स्क्वैशन' सुने हममें जोश नहीं आएगा!
रसीले! कंप्यूटर को ढूंढ़ कर ला!
रसीला तो वैसे भी खिसकने का मौका ढूंढ़ ही रहा था।
पर उसने कंप्यूटर को ढूंढ़ने में ज्यादा समय नहीं लगाया—
अरे आप यहां हैं, वहां दिशूम शुरू हो चुकी है गोली चूस के।
मैं बैठा कहां हूं... मैं तो उड़ रहा हूं... फुर्ररर।
अरे मेरे बाप! उड़कर ही सही, चलो तो!
ठीक है! चल...ओ हिच्च।
फाइटर टोड्स मुसीबत में थे—
उफ! ये कमबख्त ठीक लगत नहीं।
सर्कस में छः साल जोकर की तरह उछल-कूद की है पप्पू!

AN RKO SCAN

www.rkoscans.co.nr

हवा में उड़ता जाए मेरा लाल दुपट्टा मलमल का।
तभी हवा में उड़ता कटर्र, फर्श पर 'लैंड' कर गया-
अरे! तू तो कटर्र है! टुटपूंजिए की तरह क्यों पिट रहा है। किट किट किट।
धम्म
तेरी वजह से, करोड़पतिए! जल्दी से टोड्स एक्शन बोल-कर जोश दिला वर्ना वो हमारी चटनी बना देंगे।
और तुझे कीड़े-मकोड़े उसी चटनी से लगाकर खाने पड़ेंगे।
उधर रसीला टॉयलेट से एक बाल्टी पानी में बर्फ डाल कर ले आया था—
उतर गयो रे नीचे रे... कंप्यूटर को सारो नशो रे उतर... उतर... उतर... उतर
अरी मैया! किट किट किट! ये होटल से मैं सीधा शिमला कैसे पहुंच गया?
और फिर —
टोड्स एक्शन!
और टोड्स का सारा जोश खौल उठा—
धाड़
बेटे! अब भी मान जा! देख ले! मैंने तुझे वार्निंग दे दी है!

नहीं मानता है तो ले !
आईयाsss !
शक्क
तूने ही कहा था न कि मेरी तलवार की धार पर जंग लग गई है !
सड़ाक
अब देख इसकी धार !
उई मां ! कट गई बेल्ट ! उतर गई पैन्ट !
शाट
उफ्फ !
शूsss
शूsss
तड़ाक
अबे, फ्रकक्रिक मेरी भी तो खाता जा !
तू कुछ देर यूं ही टंगा रह कैलेन्डर की तरह ! तारीख बताता रहियो !

कहर बरसा दिया था फाइटर टोड्स ने होटल में—
पत्तेरवान ! कुछ कर जल्दी वर्ना मेरा होटल कबाड़ी की दुकान बन जाएगा, और मैं आवाज लगाता फिरूंगा... टिन...डब्बा बो ऽऽ तल ऽऽऽ
अभी लो खच्चर !
तभी वहां पुलिस का सायरन गूंज उठा—
हीं हीं हीं हीं हीं हीं हीं
अरे बाप रे पुलिस !
पुलिस यानी कानून...
कटर, शूटर, मास्टर भागो।
अरे ! ये तो हमारी टैक्सी है !
TAXI
मैं ले आया था साहब ! हंगामा शु होते ही मैं समझ ग इसकी जरूरत पड़ सकती है।

www.rkoscomics.co.nr

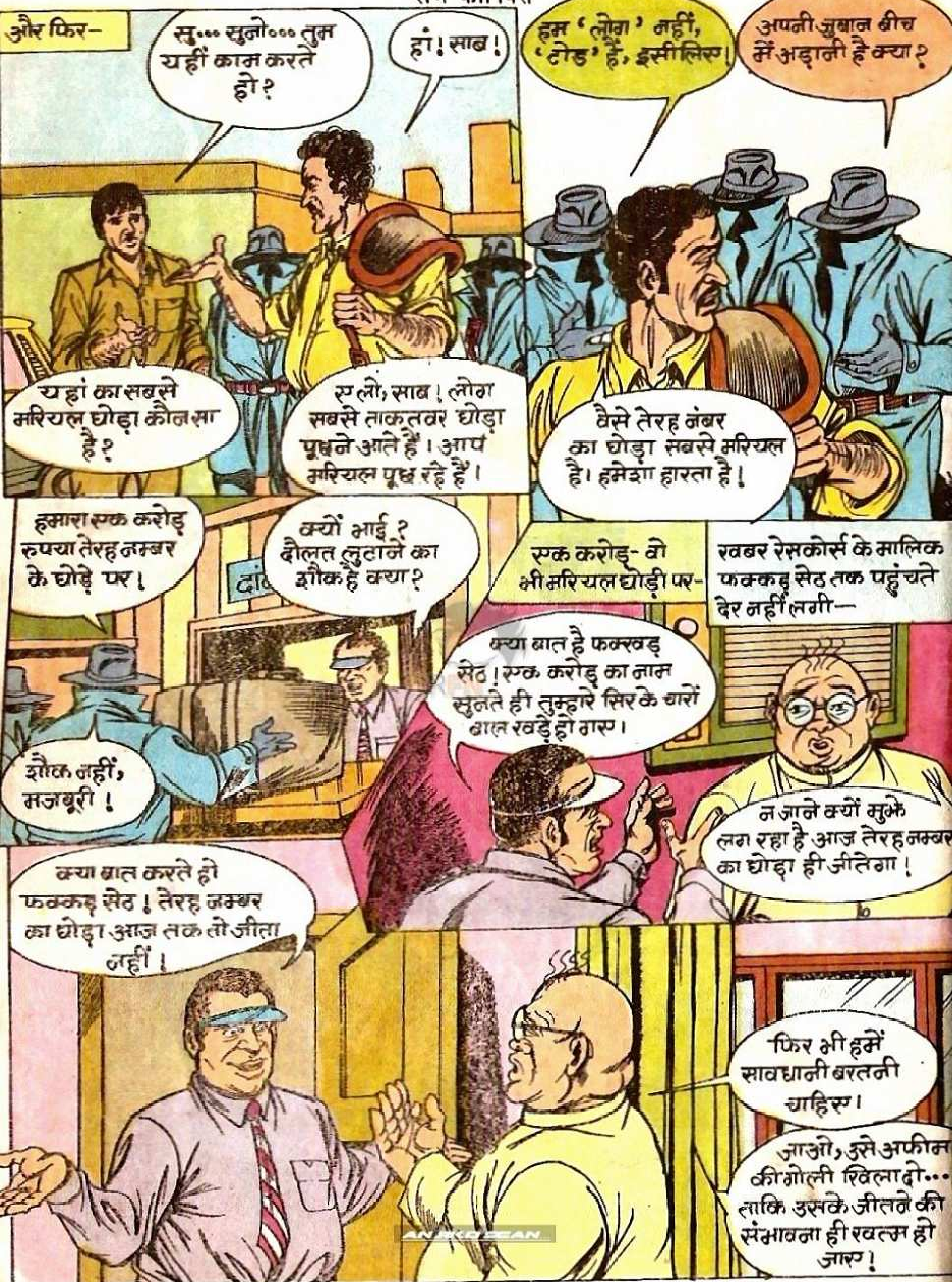

WWW.RKOSCANS.CO.NR

परन्तु अफीम की गोलियां तो खत्म हो गई हैं... ये देखो सिर्फ ताकत की गोलियां रखी हैं वहां।
तो ठीक है। तेरह नम्बर के घोड़े को छोड़कर बाकियों को ये गोलियां खिला दो। ताकि सभी उससे आगे निकल जाएं।
ताकत की दवा
उधर कबाड़ी अपने तीन करोड़ का घाटा पूरा करने के काम में लग चुका था—
अगर कोई भी अपनी जगह से हिला तो भून दिया जाएगा!
CASHIER
हिल मत!
ए... जल्दी से सारा कैश इस बैग में भर दे!
CASHIER
मैनेजर! स्ट्रांगरूम की चाबी लेकर मेरे साथ चल!
AN RKO SCAN

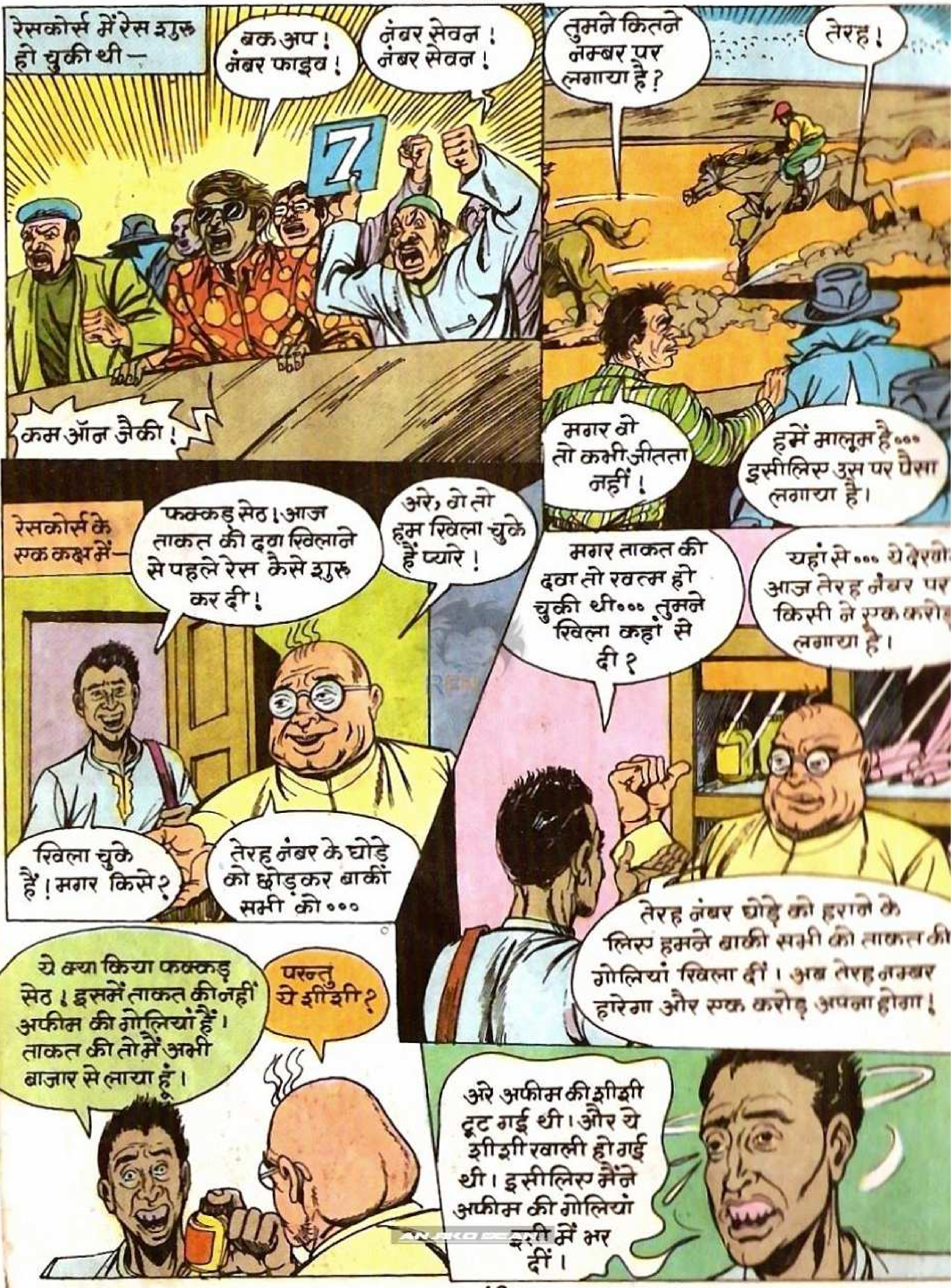

www.rkoscans.co.nr

तो खड़ा-खड़ा बातें क्या
र रहा है। भाग तेरह नंबर
घोड़े को रोक... अगर वो
गया तो हम सब रुक
जाएंगे।
हमारे भांडे बिक
जाएंगे। हमारे कपड़े
नीलाम हो जाएंगे!
उधर तेरह नम्बर का घोड़ा रेस जीत चुका था—
हांय... ये तेरह नंबर का मरियल
घोड़ा कैसे जीत गया?
गर रेस तो शुरू
चुकी है फक्कड़
सेठ!
आ! अम्मा!
हार गया! मेरे
रुपए घुस गए!
क्यों भइया...
रेस खत्म हो
गई क्या?
और साथ में मैं
खत्म हो गया!
हुर्रे... हम
हार गए!
पीछा छूट
गया!
ताक धिना
धिन!

नाचते गाते खुशी से झूमते ज्योंही वो टैक्सी के पास पहुंचे—
अरे रसीले ! ये क्या है ?
एक करोड़ रुपया । बाकी दो करोड़ अन्दर रखा है । कुल मिला कर हुआ तीन करोड़ !
तीन करोड़ रुपया !
हां ! क्योंकि आ तेरह नंबर का घो जीत गया । एक करोड़ लगाकर तीन करोड़ मिला है ।
ये तो वही बात हुई जो दिन चले अढ़ाई कोस—
कंप्यूटर ... ये तो गड़बड़ हो गई !
हां ... हम जहां से चले थे वापस उससे भी पीछे चले गए ।
चार के स्थान पर अब छः सूटकेस हो गए !
एक तरीका और भी है । मगर उसमें खतरा है । कहो तो बताऊं ?
रसीले ... अपनी चोंच बन्द रख ... वर्ना उठाकर वाहन से बाहर फेंक दूंगा । तेरी ही वजह से दो से छः सूटके हो गए हैं ।
चार से दो सूटकेस भी इसी की वजह से हुए थे । कम से कम बात तो सुन लो । तू बोल रसीले !
आजकल बैंक वाले डिपॉज़िट पाकर खुश होते हैं । अगर हम इन्हें तीन करोड़ का डिपॉज़िट दें तो वो पूछेंगे भी नहीं कि ये रुपया कहां से आया ।
बैंक तो हम जानते हैं, यार ! पर ये डिपॉज़िट क्या होता है ?
सुनो, मैं समझाता हूं । एक सेकेण्ड में समझ में आ जाएगा गोली चूस के !
तो समझाऊं गोली चूस के

WWW.RKOSCANS.CO.NR

हमारी वैन का टायर फट गया कबाड़ी-!
अबे, पैर तो सलामत है। भाग चल पतली गली से।
फटाक
उधर रसीला—
वो रही एक टैक्सी! उसी में भाग निकल!
आंय! ये टोड तो आगे के रास्ते से भागकर आ रहे हैं। लेकिन ये चार फुटे एकाएक छः फुटे कैसे हो गए?
जल्दी आओ! मैं तुम्हारा ही इंतजा कर रहा था।
उनके टैक्सी में बैठते ही रसीला तूफानी गति से टैक्सी ले उड़ा—
ओह... वो तो भाग निकले, चलो बैंक में देखें क्या हाल है...
...वहीं से कंट्रोल रूम को भी खबर कर देंगे।
उधर बैंक के अन्दर—
बैंक के लुटे पैसे को ही फिक्स्ड डिपॉजिट में रख लूं, मैं इतना बेवकूफ नहीं हूं।
फिर कितने ही जी
अबे, ज्यादा बकवास मत कर। मैंने बाहर गोलियों की आवाज सुन है। जल्दी निकल चल यहां से।

यार, दो मिनट में इनका कद छः फुट से चार फुट कैसे हो गया ?
यही तो मैं भी सोच रहा हूं। कहीं सूटकेस के वजन से तो नहीं !
तभी वहां पुलिस ने धड़धड़ाते हुए प्रवेश किया—
अयं ! डकैत तो हमारे सामने टैक्सी में भागे हैं फिर से ये ?
धांय
सर, हो सकता है डकैत चार से ज्यादा हों।
मास्टर•••
ानून यहां भी
ा पहुंचा !
शूटर••• कटर•••
भागो !
परन्तु ज्योंही वो बाहर आए—
कंप्यूटर, रसीला तो यहां नहीं है।
लगता है हमें धोखा देकर भाग गया !
ारों भागकर बैंक के सामने पहुंचे—
मास्टर••• कानून का वाहन खड़ा है। क्यों ना वूऊं-वूऊं करते इसी में भाग लें।
POLI

WWW.RKOSCANS.CO.NR

ही टैक्सी रोककर
ला बाहर आया—
धोखेबाज!
ताड़
मैं पिटने को तैयार हूं भैया... मगर ये तो बता दो मेरे दांत तोड़कर मुझे जवानी में ही बुड्ढा करने पर क्यों तुले हो गोली चूस के!
तू हमें बैंक में फंसाकर भागा क्यों था?
आह्ह्याऽऽऽ! अरे
सारे के सारे
एक ही झापड़ में!
ीला, एक ही सांस में कबाड़ी
सारी बातें बताता चला गया-
तो तूने ये बात पहले क्यों नहीं बताई?
तुमने बताने का
गोली चूस के!
और टोड्स ज्योंही कबाड़ी के अड्डे पर पहुंचे-
वेलकम-वेलकम... हट्टा-कट्टा एण्ड पार्टी का कबाड़ी स्वागत करता है।
अरे! मैं तो तुझे
कानून के हवाले करने आया था,
मेरा दिल गार्डन-गार्डन कर दिया।
उफ्फ! ये बूढ़ा तो फिर
गड़बड़ करने लगा!

AN AKO SCAN

www.rkoscans.co.nr

AN RKO SCAN

www.rkoscans.co.nr

www.rkoscans.co.nr

AN RKO SCAN

www.rkoscans.co.nr

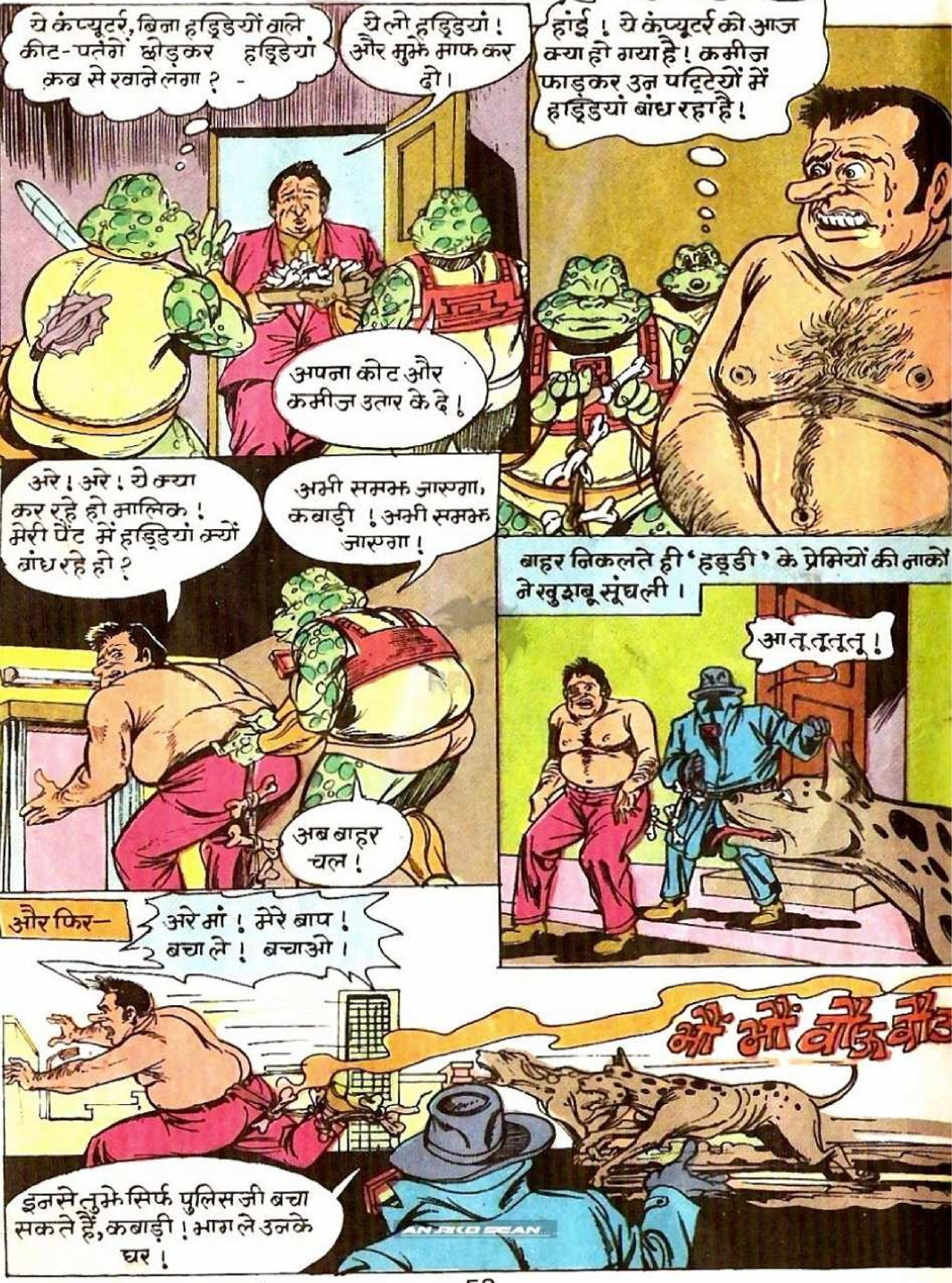

WWW.RKOSCANS.CO.NR

www.rkoscans.co.nr

AN RKO SCAN

www.rkoscans.co.nr

akfunworld's
universe of
comics......
www.akfunworld.co.nr

कंप्यूटर्र ने एक कबाड़ के कंप्यूटर को, अपने 'स्वर्णनगरी' की तकनीक से बने कंप्यूटर से चेक करना चाहा, और यही बन गई उनके लिए मुसीब की जड़। खड़ा हो गया इस जड़ से मुसीबत का एक पूरा पेड़...कंडम। जिसमें थी एक अद्‌भुत शक्ति। नई से नई चीजों को भी छूते ही 'कबाड़' में बदल देने की शक्ति—

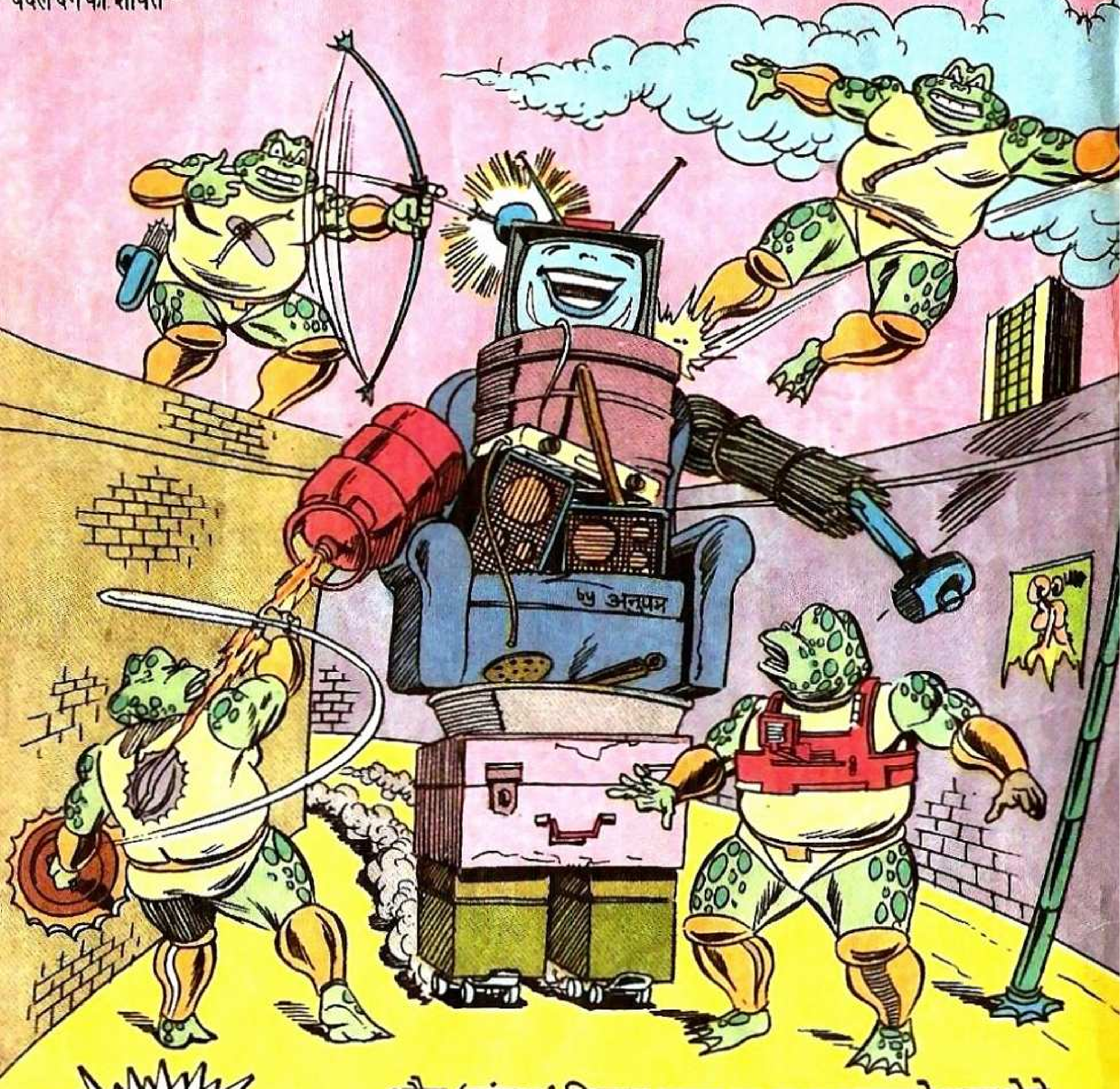

मूल्य: 15/-

...और 'कंडम' निकल चुका था महानगर को बना देने...

कबाड़नगर

फाइटर टोड्स का एक और एटमी धमाका।

प्रकाशन तिथि : 2 मई,

राज कॉमिक्स में

नागराज के अब तक के प्रकाशित कॉमिक्स

- नागराज
- नागराज की कब्र
- नागराज का बदला
- हांगकांग की यात्रा
- नागराज और शांगो
- खूनी खोज ☐ खूनी यात्रा
- नागराज का इंसाफ
- खूनी जंग
- प्रलयंकारी नागराज
- खूनी कबीला
- कोबरा घाटी
- बच्चों के दुश्मन
- प्रलयंकारी मणि
- शंकर शहंशाह
- नागराज का दुश्मन
- इच्छाधारी नागराज
- नागराज कालदूत
- जादूगर शाकूरा
- नागराज और बौना शैतान
- ताजमहल की चोरी
- नागराज और लाल मौत
- काबुकी का खजाना
- नागराज और थोडांगा
- नागराज तूफान-जू
- जादू का शहंशाह
- अजगर का तूफान
- बकोरा का जादू
- पिरामिडों की रानी
- नागराज और मिस्टर 420
- नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- नागराज और नगीना
- नगीना का जाल
- नागराज और बुगाकू
- फिर आया नागदंत
- नागराज और वेम्वेम विगेलो
- नागराज और तूतेनतू
- नागराज और मिस किलर
- अदृश्य हत्यारा
- नागराज और कांजा
- नागराज और पापराज

सुपर कमांडो ध्रुव के अब तक प्रकाशित कॉमिक्स

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- लहू के प्यासे
- रूहों का शिकंजा
- महामानव
- वू-डू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- ब्लैक कैट
- सामरी की ज्वाला
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- डाक्टर वायरस
- आत्मा के चोर
- वेम्पायर
- सुप्रीमा
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- किरीगी का कहर
- खूनी खिलौने
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- मैंने मारा ध्रुव को
- दलदल
- उड़ती मौत